तू मंदिर में बंद और मैं घर में बंद भजन लिरिक्स

तू मंदिर में बंद,
और मैं घर में बंद,
बोल कन्हैया बोल कटेगा,
कैसे अब ये फंद।bd।

किसी से ना सुना हमने,
नहीं किसी और ने देखा,
अचानक ठहर गया सबकुछ,
खींची है नई लक्ष्मण रेखा,
कैसे जीतेंगे कान्हा,
जीवन का ये द्वंद्व,
बोल कन्हैया बोल कटेगा,
कैसे अब ये फंद।bd।

समझ में कुछ नहीं आता,
अक्ल भी काम ना करती,
कि कल क्या होगा ना जाने,
सोच के रूह भी डरती,
काम धंधो कि रफ़्तार,
हो गई अब तो मंद,
बोल कन्हैया बोल कटेगा,
कैसे अब ये फंद।bd।

धीरज छूट रहा अब तो,
प्रभु आके सम्भालो ना,
करो कृपा हे सांवरिया,
हमें दु:ख से निकालो ना,
जन्मों पुराना है 'मोहित',
अपना ये सम्बन्ध,
बोल कन्हैया बोल कटेगा,
कैसे अब ये फंद।bd।

तू मंदिर में बंद,
और मैं घर में बंद,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com